

दानव-गुरु पुं. (तत्.) दानवों के गुरु शुक्राचार्य।

दानव-तारा पुं. (तत्.) एक विशालकाय तारा जो आकार में हमारे सौरमंडल के सूर्य से सामान्यतः बीस-तीस गुना बड़ा हो तथा जिसकी चमक हमारे सूर्य की चमक से सौ गुनी से भी अधिक हो giant star

दानवारि पुं. (तत्.) 1. देवता 2. इंद्र 3. विष्णु।

दानवी वि. (तत्.) दानव से संबंधित, दानवीय गुणों से युक्त स्त्री. (तत्.) दानव की स्त्री।

दानवीर वि. (तत्.) दान देने में आगे रहने वाला, अधिक दान करने वाला काव्य. वीर रस का एक भेद।

दानशील वि. (तत्.) दान के स्वभाव वाला, जो प्रत्येक कार्य में दान देता हो।

दाना पुं. (फा.) 1. अनाज, दालें, मूंगफली आहार, पोस्त आदि का बीज, माला का मनका या मणि या इसी प्रकार की छोटी लगभग गोलाकार वस्तु का एक अट्ठ 2. शरीर पर होने वाली छोटी छोटी फुन्सियाँ मुहा. दाना डालना-फुसलाना; दाने दाने को तंग/मुहताज होना/ तरसना- गरीबी के कारण परेशान होना वि. (फा.) बुद्धिमान, चतुर।

दाना-पानी स्त्री. (देश.) 1. जीवन निर्वाह की आवश्यक वस्तुएँ 2. आजीविका।

दानार्थ वि. (तत्.) 1. दान के लिए 2. जिसका उद्देश्य दान या धर्म हो।

दानिनी स्त्री. (तत्.) दान करने वाली स्त्री।

दानिश स्त्री. (फा.) बुद्धि, अक्ल, समझ।

दानिशमंद वि. (तत्.) बुद्धिमान, अक्ल वाला, अक्लमंद, समझदार।

दानिशमंदी स्त्री. (फा.) बुद्धिमानी, अक्लमंदी, समझदारी, समझदार होने का भाव।

दानी वि. (तत्.) दान करने वाला, उदार विलो. कंजूस स्त्री. (फा.) (समासांत प्रत्यय) 1. कोई छोटा पात्र जिसमें कोई वस्तु हो जैसे- सुरमेदानी,

सिंदूरदानी 2. जालीनुमा स्थान जैसे- चूहेदानी, मच्छरदानी।

दानीय वि. (तत्.) 1. दान करने योग्य 2. दान पाने योग्य।

दाप पुं. (तत्.) 1. दर्प, घमंड 2. प्रताप, तेज, चमक 3. बल 4. दबदबा, रौब 5. जलन, ताप।

दापक वि. (तत्.) 1. दमन करने वाला 2. रोधक।

दापन पुं. (फा.) 1. अंगरखे या अंगवस्त्र का लटकता हुआ भाग 2. साड़ी का पल्लू 3. समुद्री जहाज का पाल 4. पहाड़ी के नीचे का भाग, तराई का इलाका मुहा. दामन छोड़ना- किसी का सहारा छोड़ देना; दामन छुड़ाना- किसी को त्याग देना; दामन न छोड़ना- सहारे का त्याग न करना; दामन झटक लेना- पीछा छुड़ाना; दामन फैलाना- किसी के आगे दया की भीख माँगना।

दाब पुं. (देश.) 1. दबाने की क्रिया या भाव 2. दबाने वाली वस्तु या भार 3. प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा किसी कार्य करने या न करने संबंधी आग्रह 4. भाँ. किसी प्रति इकाई क्षेत्र पर लंबवत् लगने वाला बल, इसका मात्रक पास्कल है।

दाबछल्ला पुं. (देश.) किसी पात्र के दो भागों (मुख्य भाग और ढक्कन) के जुड़ने के क्षेत्र में लगाने के लिए रबर या कॉर्क आदि लचीले पदार्थ से बनी सपाट टिकली या छल्ला जो बर्तन बंद हो जाने के बाद अंदर या बाहर की वायु या द्रव को आर-पार जाने से रोके gasket

दाबना स.क्रि. (देश.) 1. ऊपर से भार या बल लगाना 2. शारीरिक पीड़ा थकान इत्यादि दूर करने के लिए अंगों पर एक ओर से या दोनों ओर से दबाव डालना जैसे- पैर दाबना, सिर दबाना 3. बलपूर्वक पीछे की ओर जाने के लिए दबाव डालना 4. किसी अशांति, उपद्रव आदि का दमन करना 5. किसी को पराजित करना या शक्तिहीन कर देना 6. किसी की धन/संपत्ति हड़प लेना 7. किसी शव या अन्य किसी वस्तु को जमीन में गाड़ना।